

प्लांट डसिकवरी, 2020: बीएसआई

प्रलमिस के लयि:

जैव वविधिता पर संयुक्त राष्ट्र सममेलन, भारतीय वनस्पतिसरवेक्षण, प्लांट डसिकवरी, 2020

मेन्स के लयि:

जैव वविधिता संरक्षण और चुनौतयिँ

चरचा में क्यौं?

हाल ही में [भारतीय वनस्पतिसरवेक्षण](#) (Botanical Survey of India-BSI) ने अपने नए प्रकाशन [प्लांट डसिकवरी](#) (Plant Discoveries), 2020 में देश की वनस्पतयिँ में 267 नई प्रजातयिँ जोड़ी हैं।

- इससे पहले [जैव वविधिता पर संयुक्त राष्ट्र सममेलन](#) (United Nations Convention on Biological Diversity) ने वर्ष 2030 तक प्रकृति का प्रबंधन करने के लयि वभिन्न स्रोतों से वकिसशील देशों को अतरिकित 200 बलियन अमेरिकी डॉलर देने की मांग की थी।

प्रमुख बडि

- प्लांट डसिकवरी, 2020 के वषिय में:**
 - भारत के वनस्पतयिँ की नई खोज में बीजीय पौधों की 119, कवक की 57, लाइकेन की 44, शैवाल की 21, सूक्ष्मजीवों की 18, ब्रायोफाइट्स की पाँच और फर्न एवं फर्न सहयोगी की तीन प्रजातयिँ शामिल हैं।
 - भारत में पौधों की लगभग 45,000 प्रजातयिँ (वशिव की कुल पौधों की प्रजातयिँ का लगभग 7%) हैं, जनिहें पहले ही पहचाना और वर्गीकृत कयिा जा चुका है।
 - देश के लगभग 28% पौधे स्थानिक हैं।
 - नई खोजों में से कुछ उदाहरण हैं:
 - दारजलिगि से [बालसम](#) (Balsams) की नौ नई प्रजातयिँ और जंगली केले (मूसा प्रधानी) की एक प्रजाति।
 - कोयंबटूर से जंगली जामुन की एक-एक प्रजाति।
 - ओडशिा की फर्न प्रजातिकंधमाल (Kandhamal)।
- प्रजातयिँ का भौगोलिक वतरण:**
 - इन प्रजातयिँ में से पश्चिमी घाट से 22%, पश्चिमी हिमालय से 15%, पूर्वी हिमालय से 14% और पूर्वोत्तर पर्वतमाला से 12% की खोज की गई है।
 - नई प्रजातयिँ में से 10% की खोज पश्चिमी तट से, 9% की खोज पूर्वी तट से, 4% की खोज पूर्वी घाट और दक्षिण दक्कन एवं 3% की खोज मध्य उच्च भूमितथा उत्तरी दक्कन से की गई है।
- खोज का महत्त्व:**
 - भारत 'जैविक वविधिता पर कन्वेंशन' का हस्ताक्षरकर्त्ता है और पौधों के संरक्षण की वैश्विक रणनीतिकी दशिा में काम करने के लयि प्रतबिद्ध है।
 - प्रत्येक वर्ष की जाने वाली नई पौधों की खोज को बीएसआई द्वारा संकलति और प्रलेखति कयिा जाता है, जो भारत की व्यापक प्रलेखन तथा पौधों की वविधिता की पहचान की वैश्विक प्रतबिद्धता को पूरा करने के लयि केंद्रीय भूमिका निभाता है।
 - सीबीडी (जैव वविधिता के संरक्षण के लयि कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि) वर्ष 1993 से लागू है।

भारतीय वनस्पतिसरवेक्षण

- भारतीय वनस्पतिसरवेक्षण के वषिय में:**
 - यह देश के जंगली पौधों के संसाधनों पर टैक्सोनॉमिक और फ्लोरसिटिक अध्ययन करने के लयि [पर्यावरण एवं वन मंत्रालय](#) (MoEFCC)

के तहत एक शीर्ष अनुसंधान संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1890 में की गई थी।

◦ इसके नौ क्षेत्रीय वृत्त देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित हैं। हालाँकि इसका मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थित है।

■ कार्य:

- सामान्य और संरक्षित क्षेत्रों विशेष रूप से हॉटस्पॉट तथा नाजुक पारस्थितिकी तंत्र में पादप विविधता की खोज, सूची व प्रलेखन।
- राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला फ़्लोरा का प्रकाशन।
- संकटग्रस्त एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले समृद्ध क्षेत्रों की प्रजातियों और लाल सूची वाली प्रजातियों की पहचान करना।
- वनस्पतिविद्वानों में गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों का एकस-सीटू संरक्षण।
- पौधों से जुड़े पारंपरिक ज्ञान (एथनो-बॉटनी) का सर्वेक्षण और प्रलेखन।
- भारतीय पौधों का राष्ट्रीय डेटाबेस विकसित करना, जिसमें हरबेरियम और जीवित नमूने, वनस्पति चित्र आदि शामिल हैं।

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/plant-discoveries-2020-bsi>

